संस्थान द्वारा "अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस" का आयोजन

Celebration of International Forest Day by the Institute

भा॰वा॰अ॰शि॰प॰-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, द्वारा "अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस" के उपलक्ष्य में दिनांक 20 मार्च' 2026 का आयोजन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला टूटू, शिमला में जागरूकता कार्यक्रम किया गया । इस अवसर पर डॉ. अश्वनी तपवाल, विस्तार प्रभाग प्रमुख, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला ने अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थीयों को वन एवं पर्यावरण के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया । उन्होने कहा कि अंतराष्ट्रीय वन दिवस इस वर्ष की थीम ***'वन और अर्थव्यवस्थाएँ'*** पर आधारित है । उन्होने कहा कि वन केवल पेड़ों का समूह नहीं हैं, बल्कि ये हमारे जीवन, आजीविका और देश की आर्थिक समृद्धि का आधार हैं । वन हमें लकड़ी, औषधियाँ, फल, रेशे और अनेक प्राकृतिक संसाधन प्रदान करते हैं, जो लाखों लोगों की आजीविका का स्रोत हैं । ग्रामीण और आदिवासी समुदायों के लिए वन रोजगार और जीवन का मुख्य आधार हैं । इसके अलावा, वन पर्यटन को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं और स्थानीय विकास को गति देते हैं । आज वनों की अंधाधुंध कटाई, शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन के कारण ये अमूल्य संसाधन खतरे में हैं। यदि वन नष्ट होते हैं, तो इसका सीधा असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है । कृषि, जल संसाधन, और उद्योग सभी प्रभावित होते हैं । उन्होने आगे कहा कि इस दिन का उद्देश्य वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, आजीविका को बनाए रखने और जैव विविधता को बढ़ावा देने में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना है । वन आजीविका के लिए वन-निर्भर समुदायों, विशेष रूप से स्वदेशी लोगों के अस्तित्व के लिए आवश्यक हैं और कार्बन को संग्रहीत करके जलवायु परिवर्तन शमन में योगदान करते हैं । उन्होने छात्रों को पौधरोपण और वनो के संरक्षण के लिए प्रेरित किया । डॉ. रंजना नेगी ने जल जीवन मिशन -2026 के बारे में भी जानकारी दी । उन्होने कहा कि यह गाँव का उत्सव देश का महोत्सव है । यह मिशन 15 अगस्त, 2019 में शुरू हुआ । इसका लक्ष्य 19.36 करोड़ परिवारों को नल से जल देने का है । इसकी अवधि 2028 तक बड़ा दी गयी है । उन्होने बताया कि 2019 में 17% घरों के पास नल कनेक्शन थे, जो 2026 में बढ़कर 81.61% हो गए । आज देश में 15.80 करोड़ परिवार घरों को शुद्ध जल की आपूर्ति नल द्वारा की जा रही है ।

डॉ. जोगिंदर सिंह चौहान प्रभारी अधिकारी एवं कार्यक्रम समन्वयक ने मुख्यतः मिशन लाइफ के बारे में चर्चा की और कहा कि वनों के सरंक्षण मे प्रत्येक व्यक्ति को महत्वपूर्ण योगदान देना अति आवश्यक है । वन भोजन, ईंधन, आय और रोजगार प्रदान करने के अलावा, मिट्टी की उर्वरता का समर्थन करते हैं, जल

संसाधनों की रक्षा करते हैं, और महत्वपूर्ण परागणकों सहित जैव विविधता के लिए आवास प्रदान करते हैं । उन्होने विद्यार्थियों को अवगत करवाया कि देश के एक तिहाई भौगोलिक क्षेत्रफल वन होने का लक्ष्य रखा है । भारत वन स्थिति रिपोर्ट (ISFR) - 2023 के अनुसार, भारत में कुल वन और वृक्ष आवरण 25.17% है । अभी हिमाचल में 25.17% वन है । हिमाचल प्रदेश का लगभग 27.73% क्षेत्र वास्तविक वन आवरण के अंतर्गत आता है ।

इस दोरान विद्यार्थियों के लिए वन पर्यावरण से संबन्धित पेंटिंग एवं नारा-लेखन प्रतियोगितायें भी कारवाई गई । नारा-लेखन प्रतियोगिता में मनीषा (कक्षा 8वीं) ने प्रथम स्थान, कनिका (कक्षा 9वीं) ने द्वितीय स्थान तथा परिधि शर्मा (7 वीं) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में सुजीत (कक्षा 8वीं) ने प्रथम स्थान, पूनम (कक्षा 8वीं) ने द्वितीय स्थान, कुशाग्र (कक्षा 8वीं) ने तृतीय स्थान तथा रिया ठाकुर (कक्षा 8वीं) ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया इसके लिए विद्यार्थियों को पुरस्कार भी दिये गए । कार्यक्रम में 120 विद्यार्थियों ने भाग लिया ।

इसके अतिरिक्त, इस अवसर पर संस्थान से कुलवंत राय गुलशन एवं स्वराज सिंह ने छात्रों के लिए प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें संस्थान द्वारा तैयार किए गए जैविक खाद, कीटनाशक उत्पादों एवं औषधीय पौधों तथा स्थानीय मशरूम प्रजातियाँ की जानकारी दी गयी । प्रदर्शनी में संस्थान द्वारा प्रकाशित किए गए साहित्य का प्रदर्शन भी किया गया ।

नारा लेखन में टुटू स्कूल की मनीषा प्रथम

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला ने अंतरराष्ट्रीय वन दिवस पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला टुटू में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। इस मौके पर आयोजित नारा लेखन में मनीषा प्रथम, कनिका द्वितीय और परिधि शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। पोस्टर प्रतियोगिता में सुजीत ने प्रथम, पूनम द्वितीय, कुशाग्र तृतीय और रिया ठाकुर ने चौथा स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में विस्तार प्रभाग प्रमुख डॉ. अश्वनी तपवाल ने वन केवल पेड़ों का समूह नहीं बल्कि जीवन, आजीविका और देश की आर्थिक समृद्धि का आधार हैं। प्रधानाचार्य डॉ. रशिमा राणा ने वनों के संरक्षण में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। संवाद

आयोजन

पीएम श्री टुटू में मनाया अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस, विद्यार्थियों को बताया वनों का महत्व

नारा-लेखन में प्रतियोगिता मनीषा प्रथम

स्टाफ रिपोर्टर-शिमला

पीएम श्री स्कूल टुटू में अंतरराष्ट्रीय वन दिवस मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को वनों के महत्व, उनकी आर्थिक एवं पर्यावरणीय भूमिका और उनके संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। वक्ताओं ने बताया कि वन हमारे जीवन, आजीविका, एवं जलवायु संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और इनके संरक्षण में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा विस्तार प्रभाग प्रमुख डाक्टर अश्वनी तपवाल ने विद्यार्थियों को वन एवं पर्यावरण के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वन केवल पेड़ों का समूह नहीं हैं, बल्कि यह हमारे जीवन, आजीविका और देश की आर्थिक समृद्धि का आधार हैं। डाक्टर रंजना नेगी ने जल जीवन मिशन 2026 के बारे में जानकारी दी। डाक्टर जोगिंदर सिंह चौहान ने मुख्यतः मिशन लाइफ के बारे में चर्चा की और कहा कि वनों के संरक्षण में प्रत्येक व्यक्ति को महत्वपूर्ण योगदान देना अति आवश्यक है। संस्थान से कुलवंत राय गुलशन और स्वराज सिंह ने छात्रों के लिए प्रदर्शनी का आयोजन किया।

प्रदर्शनी में संस्थान द्वारा प्रकाशित किए साहित्य का भी प्रदर्शन किया। अंत में विद्यार्थियों को रिफ्रेशमेंट बांटी।

कार्यक्रम के अंतर्गत नारा-लेखन एवं पोस्टर मेकिंग और पेंटिंग प्रतियोगिता करवाई। नारा-लेखन में मनीषा ने प्रथम स्थान, कनिका ने द्वितीय स्थान और परिधि शर्मा ने तृतीय स्थान पाया। पोस्टर मेकिंग में सुजीत ने प्रथम स्थान, पूनम ने द्वितीय स्थान, कुशाग्र ने तृतीय स्थान और रिया ठाकुर ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में 120 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

शिमला: पीएम श्री स्कूल टुटू में अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के दौरान स्टूडेंट और स्टाफ

****